

1. (2)

ابن حزم

* দ্রুশিকা: — আক্কাডাণ্ড্যর বিকাজিত মুজালিম-
দাৰ্শনিক ইবদন হাজম একজন বহুমুখী প্রতিভা-
সন্ধান রক্ষনীত আরব মন্ডিত বিখ্যাত বিনতত্ববিদ-
প্রসিদ্ধ কবি ও প্রখ্যাত দাৰ্শনিক ছিলেন।

তিনি স্বীয় চিন্তা ভাবনা দ্বারা মুজালিম দর্শন
কার্যের উৎকর্ষ সাধন স্বার্থক দ্রুশিকা রাখেন।
Nicholson বলেন- The greater scholars and the
most original genius of Moslem Spain is
Abu Muhammad Ali ibn Hazam.

জন্ম: — ইজামানী বিষ্ণুকারের বর্ণনা মতে দর্শন
কার্যের সময় সৃষ্টিত্ব ইবদন হাজম ৩৮৪
হিজরীর রমজান মাসে, মজরিবর ৭ই নরভেম্বর ৯২৪
খ্রিস্টাব্দে স্পেইনে জন্ম গ্রহণ করেন।

নাম ও বংশ পরিচয়: — তাঁর পূর্ণ নাম আবু মুহাম্মাদ
আলি ইবদন আহমদ ইবদন হাজম। পিতার নাম
আহাম্মাদ তাঁর পিতা-কাজনকর্তা আলমানসুর
ও ৩৫ পুত্র আল মুহাম্মাদ এর পরিবারিক
তত্ত্বাবধায়কর পদে উন্নিত হন। তিনি ইমামিদ্বিন-
আবি সুফিয়ানের দরুনক অরাজিক মাওলার
বংশধর বদল দর্শক ছিলেন।

শিক্ষা জীবনঃ অল্পবয়সেই ইসলামী বিদ্যালয়সমূহে বঙ্গীয়
 মাদ্রাসা উচ্চ পর্যায়ের শিক্ষিত কর্মচারীর মুখে হিজাব
 ইবদন হাজতম বহুমুখী শিক্ষালয়ে করেন। দরবার
 পরিষদ-বর্নায়-মদ্যে তার ইয়াবন প্রতিবাহিত
 হলেও বদল তার অনুজ্ঞািসু চিত্তের বহুমুখী
 বিদ্যালয় সম্ব বন্ধ রাখা নি।

Encyclopedia of Britannica and উচ্চতর হাজতম

He studies history law and theology.

তিনি ফরোজ-বিদ্যালয়সমূহ উচ্চ শিক্ষালয়ে করেন।
 তিনি উচ্চমর্যাদায় আরবি মোস্তাফী করেন। দুর্কান
 মুক্তিবিদ্যা ইতিহাস বিজ্ঞান ও রাজনীতিতে তিনি
 লক্ষ্যমাত্রা লাভ করেন। অত্র আল হাজতম প্রবু
 তার জীবনের অত্যন্ত উচ্চ পর্যায়ের সময় বহু-প্রবু
 তিনি তার উচ্চতর হিজাব জাবদ মোস্তাফী
 ইবদন ইয়াবিদ আল মোস্তাফী নাম উচ্চতর করেন।

রাজনৈতিক জীবনঃ রাজ্য-বিষয়ক ফলস্রুতি দ্বিতীয়
 হিজাম পুনরায় রাজ্য ক্ষমতায় অধিষ্ঠিত হইব ইবদন
 হাজতম ও তার নিজের উপর নানা নির্মম অভিযোগ
 হয়। ১৯০২ খ্রিস্টাব্দে জিলেহাজতম হাজতম রক্ষার

দিকের তার নিজের ইতিহাসে করেন। নিজের মৃত্যুর পর
 ইবদন হাজতম উপর নির্মাণের সুধি উপরত থাকিল
 ৪০৪ খ্রিস্টাব্দে মুস্তাফী হাজতম তিনি স্বাভাবিক জ্ঞান
 করেন এবং রক্ষায়ায় জীবনমাণন করত
 হাজতম।

ফারাওয়াজ ও নিব্বাওয়াজ: আল রহমারীয়াহ অরপক্ষাকৃত
নিকলদ্রব জীবন যাপন ক্ষয়ল উম্মারব্বারদর
অনুদ্রল স্বেয়ন্ত্র লিপ্ত বিষ্কারজ বদল প্রবুদ্ধি বদর
আম্বারগন উদীর্ঘ বন্ধু মন্থাম্বাদ ইবদন শায়খ
ইজাম্বাকুই অরক কুরকুম্বাজ কুরকুম্বা বারদ্রন
ও পদর উল্লেক্ষ নিব্বাওয়াজ করন। দুই বন্ধু নিব্বাওয়াজ

আল রহমার প্র আনন্ধান করদ্রল উম্মারক
কাজনকর্তা অরদ্রবদ্র আদ্রব প্রবন করন।
মুজিব্বলাও: ৪র্থ আবদ আল রহমান আল মুজিব্বাদা
উদ্রল নজিয়ার কাজনকর্তা হিজারব রক্ষাশিত

ইবাব কুরকুম্বাজ পদর ইবদন শায়খ ও তার বন্ধু
অরদ্রব দ্রল পরিচরণ কর অম্বুদ্ধ পদর প্রকৌশিক
উপনীত হন। ইবদন শায়খ অবজার্বারদ্রন অর
বিষ্কার পরিচিতি ও অগ্রগতি লাগে পূর্বক আল-
মুজিব্বাদার উদ্রবর পদ লাগে করন। এবং তার
ব্জানদ্রল নিদ্র প্রানাত্রয় সুম্ব করদ্রল নিদ্র কাঙ্ক্ষু-
বদ্র বন্ধি হন এবং নিদ্রু করদ্রল মুজিব্ব লাগে করন।
এরপর তিনি ৪র্থ হিঃ কর্জাজে প্রজ্ঞাবর্তন করন
বন্ধু আলিফ আল-মুজিব্বাদার উদ্রবর পদ
নিমুজি হন। কিন্তু কুরকুম্বাজ পদর আবাব আল রহমান
নিমুজি হরল তিনি পুনরায় কাঠা কুম্ব হন। পরবর্তিত
মুজিব্ব লাগে কর। আল দ্রায়গনি বর্নন করন হিজাম্ব
আল মুজিব্বাদার অবিদ্রন তিনি পুনরায় উদ্রি
নিমুজি হন।

মুজিব বর্ষঃ এমনিভাবে মহান আল্লাহর বানি
 স্মৃতিতে দুর্গম কারাগার থেকে দুর্গম কাছাকাছি
 মুজিববর্ষে ১৯৬৮ খ্রিঃ ২৮ রক্তাক্ত কারাগার,
 এমনিভাবে ১৯৬৮ খ্রিঃ ১৬ই আগস্টে প্রধান
 ইমাম জালাল কর্তৃক এমনিভাবে উদ্‌যুক্ত
 কাছাকাছি। Geld Zihar বরলন-Ibn Hazam died in-
 456/1063

রচনাবলিঃ তাঁর অবশেষে রচনাবলির অন্তর্গত
 গ্রন্থ জাওর আল হামা মা, কি আল উলফা,
 ওয়াল উলফা; বিভিন্ন অঙ্গের এই গ্রন্থের অন্তর্গত
 নিরুদ্ভিন্ন ইব্রন হামা মা বর্ষে রচনা করত
 কতিপয় ১১৮ আনক দিহা, এই গ্রন্থে তিনি মুজিব
 চমৎকার ভাষা করেন, ও বিভিন্ন অঙ্গের
 কাছাকাছি অঙ্গের দিহা দিহা। মুজিব
 অর্থ একই অঙ্গের তিনি বিভিন্ন অঙ্গের
 আল আল দুলুজ নামক গ্রন্থে রচনা করেন।
 তিনি করত অঙ্গের বিভিন্ন অঙ্গের ও রচনা
 করত। ইব্রন হামা মা এক অবশেষে
 গ্রন্থে বিভিন্ন আল হামা মা কি আল হামা মা
 অঙ্গের অঙ্গের। এই গ্রন্থের মাঝে ইব্রি, যীঃ
 হামা মা অঙ্গের অঙ্গের অঙ্গের বিভিন্ন অঙ্গের
 বিভিন্ন অঙ্গের উলফা অঙ্গের অঙ্গের
 মুজিবলি, অঙ্গের অঙ্গের ইব্রি অঙ্গের
 বর্ননা অঙ্গের।

ତା'ର ପୁରାତନ ବର୍ଣନାକୁ ଅନୁସାରେ ତା'ର ସମାପ୍ତି ମଧୁ
 ଅନ୍ତର୍ଭାଗିତ 800 ଏବଂ ସମସ୍ତ ଅନ୍ତର୍ଭାଗିତ 60।
 କିନ୍ତୁ ଏ-ପୁରାତନ ଆଧିକାରକରେ ତା'ର ନିଜ ଜିଲାର
 ଜୀବନର ଆଧିକାରକ କର ନାହିଁ ଏବଂ ଅନ୍ତର୍ଭାଗିତ
 ସେବନ ସାଧନର ଦୈନିକ ବଚନ। ସେବନ ସାଧନ
 ହିନ୍ଦୁତନ ଅତୀତ ଅତୀତ ବିଦ୍ୟାୟୁ ସମ୍ପର୍କିତ ହିନ୍ଦୁ
 ସାଧନର ତା'ର ନିଜ ଦୈନିକ ପୁରା ବିଦ୍ୟା ଆଧାର
 ଜୀବନର ଏକ ସମସ୍ତ ଆଧିକାରକ ଏବଂ ଅତୀତ।
 ସେବନ ସାଧନର ବଚନ ସମ୍ପର୍କ ଅତୀତ ହିନ୍ଦୁ
 ସାଧନର ସେବନ ସାଧନ ହିନ୍ଦୁତନ ଅତୀତ।

ଦର୍ଶନ ଆଧିକାରକ - ମୁସଲିମ୍ ଶାସ୍ତ୍ରୀ ନାହାନ୍ତି ମଧୁ
 ଆରମ୍ଭ ସେବନ ସାଧନର ଆଧିକାରକ ସାଧନର
 ସମ୍ପର୍କ ମୁସଲିମ୍ ସମ୍ପର୍କ ଆଧିକାରକ ଅତୀତ
 ସାଧନର ଆଧିକାରକ ସାଧନର ସମ୍ପର୍କ।

Introduction to Islamic philosophy
 ବର୍ଣନା ସମ୍ପର୍କ - In the beginning as we
 have already seen Spanish Islam was
 ତା'ର ଆଧିକାରକ ମୁସଲିମ୍ ଆଧିକାରକ କର
 ଏବଂ ଦୈନିକ ତା'ର ଆଧିକାରକ ଆଧିକାରକ
 ଅନୁସରଣ କରନ। ଏବଂ ଆଧିକାରକ ଆଧିକାରକ
 କରନର ଆଧିକାରକ ଆଧିକାରକ ସାଧନର
 କରନ ଦୈନିକ ଏବଂ ଆଧିକାରକ ଆଧିକାରକ
 ଅନୁସରଣ କରନ

S. Rahman ইবন হাজম entirely rejected
 ইবদন শাহজহর মদত আরনুর বদখশি অনুঅবন
 নর কর্ত প্ররতুল মানুদর উচিত নিরুদ
 আখিানুআর রকারিনর মার্মায় কখির কর।
 নীতি দ্বারবির রকার ইবদন শাহজহর মদন কর্তন
 র অত্র মিম্বায় ন্যায় অনুরূপ জন্য বিচার কর
 জন্য রকার বক্তনিত্ত আদকারিনর। প্রতি রহাদার
 ইছার ইবদন নি-উক্কাল।
 অত্র মিম্বায় ন্যায় অনুরূপ মারবি বরমাক
 প্রকার মনদুও বরলা ওই।

উপসংহার : ইবদন শাহজহর হিরতন বাকুলারত
 বিচ্ছিত-মুআলিম দার্কানির ও রক্ষনির পসিত
 বিম ওভুবিদ ও প্রচ্ছিন্ন করি। তিনি কামায়ন
 কর্তন ৩৪৬ বিচ্ছিত জন রকারার
 ন ই-নরওমু ৭৭৬ খ্রিঃ তিনি মুত্তর
 কর্তন ২৪ রক্ষা করতন, রকারার ২৫ ১৫ ই
 আনলে ১০৬৭। তিনি বিচ্ছিত ও
 বিচ্ছিন্ন বিচ্ছিত, অত্র আন শাহজহর।

৭

2.(c)

حیات ابن المقفع

تعمیر کا: آصفیائی سूरन आवी आशित्य पक्ष
 मूळ पक्षर अुरजाकित शूरहिल | उमावेया
 सूरन आवी नदु आशित्य रय अूचना
 शूरहिल, आस्वाजी सूरन आ अून क्वाधर
 आरकाहन करहिल | आस्वाजी सूरन अरुपु
 यिनि नदु आशित्य रचना करहन, तिनि
 शूलन - आकुलरु इवरन मूळ अूर |
 अूरुह - तिनि आचिन देवाधरन, रलरुजाधर
 अरुलकिक काशिनी आरुवेरु अरुकाद करु
 करु निरकरु देवाधर करुदहन |

जन्म उ वरुकापरिचरु: आकुलरु इवरन
 मूळ अूर 726 क्रि: आरुअरु अरुदरुकरु
 आरु नरुकरु आरुअरु जन्म अूरन करुहन अरु
 759 क्रि: अरुलरु नरुकरु करुहन | अरुअरुअरु
 आरु नरुकरु अिन करुकरु आरु अिआरु नरुकरु
 दरु उअरुअरु, तिनि अरुनि देवाधर अिरुलन |
 अरुअरु अिन अरुअरुअरु अरुअरु तिनि अरुअरु
 आरुअरुअरु करु करुअरुन | अरुअरु अरुअरु
 आरु अरुअरुअरुअरु अरुअरु अरुअरु अरुअरु
 करु अरु आरु अरुअरु अरुअरु अरुअरु अरुअरु
 आरु नरुकरु अरु मूळ अूर अरुअरु अरु अरुअरु
 नरुकरु अरु अरुअरु मूळ अूर |

बाल्यकाल, युवावस्थाकाल ३ शिक्षणार्जनः - पाठशाळा
 रदरका बंध प्रश्न करा परतु ३, तिमि ठाठ विठार
 आरुय बाल्यकाल ३ युवावस्थाकाल आठि ठाठिठ
 करुन वडाकाय। बाल्यकाल तिमि ठाठ विठार
 निळी आशमिळ शिक्षण प्रश्न करुन। ५ आशय
 तिमि ठाठिठ आशय दळण आर्जन करुन।
 शिक्षण वदार्जन करु तिमि वडाकाय निरय
 आठिठ आशमिठरदर निळी अविशयन करु
 आठिठ आशय वदसिठिठ अर्जन करुन।
 आठिठिठ वडाकाय वडाकाय तिमि आठिठिठ
 विदसिठिठ वडाकाय आठिठिठ आठिठिठ वडाकाय।
 आठिठिठ आठिठिठ वडाकाय आठिठिठ वडाकाय तिमि
 वडाकाय वडाकाय प्रश्न करुन।

विदित्त अलीशारदर वृद्धरवाअठिठिठ तिमि वृद्ध
 आठिठिठरत ३ वृद्धरवाअठिठिठ अलीशारदर वृद्धरवाअठिठिठ
 ठाठिठ करुन। आशमिठिठ जीवरन तिमि
 वडाकाय आठिठिठरदर निळी आठिठिठ करुन
 आठिठिठ तिमि वडाकाय वृद्धरवाअठिठिठ वडाकाय
 शिआरठ आठिठिठ करुन। तिमि वडाकाय
 ३ आठिठिठिठ वडाकाय करुन अलीशार
 आठिठिठ करुन।

ଆହਿତ୍ୟ ଓ ସଂଚାର ବିକାଶ ଶବ୍ଦର ମୁକାବ୍ବାର
 ବାଚିତ୍ୟ ବୁଝାନ୍ତୁ ଏବଂ, ଏହାର ଆବଶ୍ୟକତା
 ଆବଶ୍ୟକ ଭାଷାରେ ବୁଝାନ୍ତୁ, କାଳିକା ଓ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ
 ବିକାଶ ଆଦି, ଏହାକୁ ଏହି ସଂଚାର ଶବ୍ଦ
 ଏବଂ ଆହତ୍ୟା ଶବ୍ଦ ବୁଝାନ୍ତୁ। ଏହି ବିକାଶ
 ରାଜ୍ୟ ବାହାରକୁ ବିକାଶ କରାଯାଇ ଯାଏ
 ଏବଂ ଆହତ୍ୟା ବିକାଶର ଶବ୍ଦ ଏହି ଆଦି
 ଶବ୍ଦରୁ ନାହିଁ ଏବଂ ଏହି ଶବ୍ଦରୁ ନାହିଁ।

ଉପାଦାନ ଆହତ୍ୟା ଶବ୍ଦର ମୁକାବ୍ବାର କାଳି
 କାଳିକା, କିନ୍ତୁ ଏହି ଶବ୍ଦର ଭାଷାରେ
 କାଳିକା ଓ କାଳିକା କାଳିକା। ଏହି ସଂଚାର ଶବ୍ଦ
 କାଳିକା ଏବଂ କାଳିକା କାଳିକା। ଏହି ଶବ୍ଦର
 ଆହତ୍ୟା କାଳିକା କାଳିକା କାଳିକା କାଳିକା
 କାଳିକା କାଳିକା କାଳିକା କାଳିକା କାଳିକା

କୁହାଣ ଧୂଳି ଅନ୍ଧାରଣ ପ୍ରହର ଆସିଲୁ ବଢ଼ିବିଧାନ
 କଠିକ କଠିକା କୋମାର ଜନ୍ମ ଭାବ-ନିର୍ଦ୍ଦେ ଶ୍ରେଣୀ
 କୁହାଣ ପ୍ରହର ଭାବ-କାଠିକି ବାସ୍ତବ ଲିଖିତ
 ନିର୍ଦ୍ଦେ ଶ୍ରେଣୀ। ପଞ୍ଚାନନ ଓ ଭାବ ଯକ୍ଷା ଓ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ
 ଉଦାନିକିତ ଆସାଦି ଧର୍ମିକର ଆସାଦି କାଶିକି
 ଚନ୍ଦ୍ର ଦହରାଟ ବାସନ୍ତ ଲୋକିକା। ଧର୍ମିକର ଗୁଣନ
 ଆବୁଲ ଆଶାଦିଆରୁ କେଉଁମ କାସ ବାସନ୍ତ
 ବାସନ୍ତେ ଶ୍ରେଣୀ କଠିକି ବାସନ୍ତ କାଶିକି ନୟ, ଶିନି
 ମୁକ୍ତ କାଶିକି ଦାସ କାଶିକି ଶର ଓ ବାସନ୍ତ
 ବାସନ୍ତେ। କାଶି ଧର୍ମିକର କାଶିକି ଏକାକୀ ଧର୍ମ
 ଧର୍ମର କଠି ଏକାକି କୁଳର ବାସନ୍ତ କାଶିକି ବାସନ୍ତ
 କଠିକ, ଶିନି ଆଶାଦି କୁଳର ବାସନ୍ତ ପ୍ରହର କାଶିକି
 ଚନ୍ଦ୍ର ଆଶାଦି ଧର୍ମ କାଶି କାଶିକି ଆଶାଦି ଧର୍ମର କାଶିକି।
ବିଶ୍ୱ ବିକାଶ କାଶି କୁଳି କାଶି କାଶିକି ଦାସ
 ଏକାକିକାଶି ଶ୍ରେଣୀ ଓ ବିଶ୍ୱନାଦାଠି ଦେବ-ନିର୍ଦ୍ଦେ
 ଶିନି କିଲେନ ନାଶିକି। କାଶି ଶିନି କିଲେନ
 କାଶି ଆବୁଲ ଆଶାଦି ଆଶାଦିକାଶିକି ନୟ କାଶିକି-
 ଧର୍ମକାଶିକି ବାସନ୍ତ। ବିଶ୍ୱ ଆଶାଦି କାଶିକି
 ବିକାଶେ ଆଶାଦିକାଶିକି ଶ୍ରେଣୀ, ଶିନି ଭାବ ବାସନ୍ତ କାଶିକି
 କାଶିକି-କାଶି ଆଶାଦିକାଶିକି ନୟ ଧର୍ମନାଦାଠି କୁଳର କାଶିକି
 କାଶି କାଶିକି କାଶିକି ଦାସ କାଶିକି ଓ କାଶିକାଶି
 ବାଶାଦି-କାଶିକି କାଶିକି ଶିନି କାଶିକି କାଶିକି
 ବାସନ୍ତ କାଶିକି।

কিন্তু কবি আবুল আশা'রিয়্যাহু কাব্য জগত
 মন্থন করে, পবিত্রিত্ব ও স্বয়ং তিনি তার কবিতা
 আশা'রিয়্যাহু কবিতার মত্রে শাকার-কিয়ামতের
 বিপরীতের অক্ষরে আলোচনা করেছেন।

সেই কবি বিক্ষুব্ধ রূপেই যে আলোচনা করেন
 "ওহা কয়েকজন" কাব্য দ্বারা আকাশ ও কক্ষিত
 অঙ্গি করেছেন। তিনি আহুদি অঙ্গদার
 এর বিক্ষুব্ধি ছিলেন। তিনি ছিলেন দুর্জনিক
 ও বুদ্ধি বিক্ষুব্ধি। এই কারণে লেখক বিক্ষুব্ধি
 নন কবির বিক্ষুব্ধি যেটি বিক্ষুব্ধি ও নগর
 বলে আঙ্কিত করেছেন।

বন্দি জীবন ও পূর্বকার আশু কবি জীবন জগত
 উল্লসিত হয়ে অক্ষয় রূপে কাব্য রচনা পবিত্রতায়
 করেন। এর অর্থাৎ মৃত্যু কালীন জগত
 বিদ্যার মন্ত্রণার কথার মত করে অবদার বিয়নে
 নিমন্ত্রণ আঙ্কিত। কিন্তু আলিফের মত্রে আর অক্ষিদি
 কবির পুনরায় কাব্য রচনার জন্য অনুবেষি করেন।
 কবি আলিফের অনুবেষি উল্লসিত করেন মনে
 তিনি অক্ষয় কবির বেদান্ত করেন। অতঃ
 কবি কাব্য রচনা করতে অক্ষি-মুখি-নালুপন
 করলে আলিফের কাব্য মত্রে বন্দ করেন।

एक एक कवि छिद्रादिन कागजातें बन्दिदका
 काटिहें नूनकाय लोकात्तु कठिना रचना
 करत असाउ रना। एतिका ७ कठिना काग
 मुदि (अदान करेन एव कठिना कागि
 ७० कागारं कोलाभुद सारं कातेन।

देहिना-नरिन ७ पुलावचरिषः कवि आवुल आवुल-
 शिरा हि लन दीर्घ दृष्टी; अलुकरका कागार
 कोकागिका हिरे नापे रुसुवनेर, वा कर्नदुव
 अर्वादा आवुत करे अद्यत। तिन हि लन
 अमिदि लसि एरुति। एव आवुद हि ल
 अति दुर्बल।

परलोका-नरिनः गरिकाए कठि नीवनेर कोक
 एवत देवनीत एव आवुद कनरतव अतिश
 एव मातुरं नरां अशाप्रसांनेरं एव अमानाएक
 मातुरतं कथा एव कठि कविता लिधरतन।
 एवकोक तिन २०२ शिरा एव, कोलाएक
 + २७ दिः देह एव कठि। ऐना लिधर।

काविक अवदानः कवि आवुल शिरा
 काव एव असा असा कठि मठिल शिरा
 ए, तिन वरुमुदि अति-लरि कठि
 हि लन।

এর কবিতার মর্ম মর্ম, মর্যাদা এবং জীবন,
 তিনি বহুশ্লোকি নদীর কণাও অস্বিকৃত প্রতি
 দর্শন, স্বাক্ষর ইত্যাদি বিষয় চাড়ে ও আলিঙ্গন
 প্রদান করে প্রতি প্রেমসীমার সম্মুখে
 প্রেম-মার্থী প্রবৃত্তি বা সুস্বাস্থ্যমূলক
 কবিতা রচনা করে ও তিনি ছিলেন সিন্ধু ২ স্ত।
 নির্মল কবিতা-বিষয়শ্লোকি কবিতার দু, স্বাক্ষর
 নমুনা ইত্যাদি রচনা করে। রচি আবুল কালাম
 ইবনে মাহমুদে রচনা করে রচনা,

فمنع ما كنت خلية - يا سيفك خذالا
 وما منعك بالسيف اذ لم يدك قتالا
 ولو اذ نبيه كفيه لانا لا

কবিতার বৈশিষ্ট্যঃ কবি আবুল আতা হিমায়
 কাব্যের অনন্তর প্রকাশিত বৈশিষ্ট্য রচনা করে
 যখন তিনি তার কবিতা রচনা করেন।

উপস্থাপনঃ কবি আবুল আতা হিমায়
 সমগ্র-মর্মল রচনা করিলেন ২৫ যে তিনি
 বহুশ্লোকি প্রতিভার আধিকার ছিলেন।
 তিনি কবিতা রচনা করেন ৩৪ খ্রিঃ ১৩০
 হিজরি যখন কবিতা রচনা করেন। মুহূ

৪২৬ খ্রিঃ।

3. (d) افعال ناقصة

* فعل ناقص অর্থ অভ্যাসাপু বা অভ্যাসবিহীন।
 যে অবস্থিকার অর্থ ক্রুৰিমাণে فعل দ্বারা
 অঙ্কন হয়, বহু অবস্থিক প্রতি মুখ্য-
 লক্ষ্যে হয়, অনুলোকে فعل ناقص বলা হয়।

فعل ناقص মোটে অর্থ ১৭টা।

মোমন, ① كان نبيًا قاتلاً ①

② ما نبيًا غنيًا ②

③ اضحى نبيًا كافيًا ③

④ اصبح نبيًا كاتبًا ④

⑤ اصبح الفقيه غنيًا ⑤



3. (e) فعل معروف و مجهول

যদি فعل বা ক্রিয়ার অঙ্কন কর্তার দিকে
 হয় আর فعل معروف বলে চিহ্নিত,
مَرَبِّ - لِقَرَّب

আর যদি فعل বা ক্রিয়ার অঙ্কন مفعول বা
 কর্মের দিকে হয় আর فعل مجهول বলে
 মোমন, مَرَبِّ لِقَرَّب



باللغة العربية (ب) 50

- * عبد السلام وعبد الكلام هما اخوان.
- * كان ولدها طبيب وكانت اسمها دمنة.
- * كان توفاه والديه يوم الاثنين.
- وكانت توفيت اسمها يوم الاربع على حداثه العمان.

6. * ٥: তোমার বাবা ডাক্তার -
আর তোমার মা আমায়
- * ৬: তোমার সিন্ধুর বস আয়ত চৈত্রি -
উপর বা সিংহাসন।
- * ৭: তোমার বন্ধু হতে হেঁচু দুইটি মূল।
- * ৮: নিরুচর দুলাইটি জেলা।
- * ৯: রুই তোমার জীবন সারিনি।